प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

ताजे फूलों की सज्जा आर्थिक पर कार्यशाला का आयोजन

पन्तनगर। 17 मार्च 2023। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के अंतर्गत ताजे फूलों की सज्जा आर्थिक स्वावलंबन का सशक्त माध्यम विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन डा. छाया शुक्ला के निर्देशन में किया गया। इस कार्यशाला की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुष्प सज्जा एक ऐसी कला है जो न केवल घर की सुन्दरता बढ़ाती है, अपितु एक खुशनुमा, जीवंत और सुगन्धित वातावरण भी तैयार करती है। निदेशक हॉर्टिकल्चर डा. वीवकेव राव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने व्यक्तित्व में बताया कि भारत में पुष्प सज्जा का व्यवसाय वर्तमान परिपेक्ष में एक ट्रेडिंग स्टार्टअप आइडिया के रूप में उभरा है। यह व्यवसाय उन लोगों के लिए बहुत बडा अवसर है जो अपना दिल और आत्मा दोनों फूलों से दुनिया को सजाने में लगाते हैं। थोड़ी सी तकनीकी दक्षता को हासिल कर आप भी फूलों के माध्यम से अपने मनोभावों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकने में सक्षम हो सकते हैं साथ ही इसे एक व्यवसाय के रूप में भी अपने स्वावलंबन का महत्वपूर्ण आधार चुन सकते हैं। कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के इंस्ट्रक्टर इंचार्ज डा. छाया शुक्ला ने कहा कि रंग–बिरंगे फूलों का गुलदस्ता किसी भी उदासीन सी जगह को प्रफुल्लित कर के सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसी वजह से पुष्प सज्जा करते हुए कुछ बातों का खास ख्याल रखा जाता है ताकि फूलों की सुन्दरता निखर कर सामने आये। फूल भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण घटक रहे हैं और सौंदर्य से लेकर सामाजिक और साथ ही धार्मिक उद्देश्यों के लिए इनका प्रयोग किया जाता रहा है। वाणिज्यिक फूलों का बाजार हाल ही में शुरू हुआ है। कटे और खुले फूलों की मांग में तेजी से वृद्धि के कारण फूलों की खेती भारतीय कृषि में सबसे महत्वपूर्ण व्यवसायों में से एक रूप में उभरी है। भारत में मेट्रो और प्रमुख शहरी शहर वर्तमान में भारत की सीमाओं में फूलों के महत्वपूर्ण उपभोक्ताओं के एक बडे हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। बढ़ते शहरीकरण और पश्चिमी संस्कृतियों के प्रभाव के परिणामस्वरूप, लोग त्योहारों, वर्षगांठ, वेलेंटाइन डे, जन्मदिन, विदाई पार्टियों, विवाह, धार्मिक समारोहों आदि जैसे कई अवसरों पर सभी का ध्यान आकर्षित करने के लिए फूलों की सजावट कर रहे हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से पुष्प सज्जा के संबंध में समस्त आवश्यक जानकारी उपलब्ध करा कर विद्यार्थियों को इसे एक व्यवसाय के रूप में लेने के लिए प्रेरित करना है। कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी ज्ञान एवं प्रायोगिक अनुभव देने के लिए उद्यान विभाग के श्री अकबर गृह विज्ञान महाविद्यालय के माली श्री हसमत जी एवं श्री चेतू उपस्थित रहे जिन्होंने अपने अनुभव के द्वारा अर्जित पुष्प सज्जा के ज्ञान को विद्यार्थियों के साथ साझा कर विभिन्न तरह की पुष्प सज्जा शैलियों के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यशाला में कुल 52 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया कार्यशाला के दौरान सीखे गए हुनर से विद्यार्थियों ने स्वयं विभिन्न शैलियों से पुष्प सज्जा निर्माण किया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार पुष्प सज्जा को एक कंपटीशन के रूप में निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन भी किया गया। इस दौरान गृह विज्ञान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डा. आदित्य राज, वस्त्र एवं परिवहन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शहनाज जहान, डा. सीमा क्वात्रा, डा. दिव्या सिंह, डा. सुनीता शर्मा, डा. पूनम तिवारी आदि के साथ आयोजक मंडल रोशनी, योगेश, विवेक भट्ट, अमान, कविता, अबनीत, विशाल, संगीता, दिव्या, अनुष्का, शिवानी, हेमलता और हर्षित उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को पुष्प सज्जा की जानकारी प्रदान करते।